एक नजर में

विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न

उज्जैन। हिन्दू समाज को संगठित करने, सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने एवं सामाजिक समरसता के उद्देश्य से उज्जैन महानगर की 7 विभिन्न बस्तियों में 4 जनवरी 2026, रविवार को हिन्दू सम्मेलन आयोजित हुए। इन सम्मेलनों में सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों के साथ बौद्धिक सत्र एवं सहभोज का आयोजन किया गया। सम्राट विक्रमादित्य बस्ती फ्रीगंज का हिन्दू सम्मेलन दुर्गा माता मंदिर, दशहरा मैदान पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में संत उमेशनाथ महाराज, धीरसिंह, पिंकी आर्य का सान्निध्य प्राप्त हुआ। संत उमेशनाथ ने बताया की हिन्दू क्या है हिन्दू को किसी सभ्यता, मत-पंथ, मंदिर-मठ, किसी खान-पान, वेशभूषा, रहन-सहन, रीति-रिवाज, किसी देवी-देवता तक सीमित नहीं किया जा सकता। पूर्वजों के तप, अध्ययन, अनुभव, चिंतन से बनी संस्कृति के अनुरूप आचरण ही हिन्दुत्व है। यह जीवन दृष्टि है। मोहन नगर बस्ती का हिन्दू सम्मेलन प्रातः 10.30 बजे, गोपाल परिसर के सामने, मोहन नगर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राधेराधे बाबा, मुकेश दिसावल , सीमा वशिष्ठ मौजूद रहे। सीमा वशिष्ठ ने संघ के पंच परिवर्तन स्वदेशी, नागरिक अनुशासन, सामाजिक समरसता , कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण के विषय रखा। राजेन्द्र नगर की विवेकानंद बस्ती का हिन्दू सम्मेलन शिवांजलि गार्डन, नीलगंगा हनुमान मंदिर के सामने पूर्ण हुआ। कार्यक्रम में महंत रामनाथ महाराज, निधि शर्मा, अजय जैन का सानिध्य प्राप्त हुआ। कुटुंब प्रबोधन , पर्यावरण के विषय रखा और पंच परिवर्तन का समाज में महत्व बताया। इन सम्मेलनों के अंतर्गत बच्चों, मातृशक्ति एवं युवाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं, भजन मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, बौद्धिक सत्र, पुरस्कार वितरण एवं सहभोज का आयोजन किया गया । संघ शताब्दी वर्ष का समाज में उत्साह है द्य जिसे समाज हिन्दू सम्मेलनों के रूप में प्रकट कर रहा है। उक्त जानकारी जिला आयोजन टोली हिन्दू सम्मलेन, उज्जैन डॉ. सुशील गुप्ता, राकेश अग्रवाल, हजारीलाल मालवीय, डॉ. हेमंत जीनवाल, सीमा वशिष्ठ ने प्रदान की गई।

शोभायात्रा के साथ हुई श्रीराम कथा की पूर्णाहुति

उज्जैन। भागवत सत्संग समिति, दमदमा द्वारा 8 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन दुर्गा माता मंदिर, कम्युनिटी हॉल, दमदमा में किया गया। जिसकी पूर्णाहुति पर 4 जनवरी को शोभायात्रा निकाली गई। संरक्षक वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र वशिष्ठ, दुर्गा माता मंदिर समिति अध्यक्ष कैलाश मालवीय, उपाध्यक्ष सुरेश रायकवार ने बताया कि कथा व्यास पं. दर्पण गोपाल कृष्ण शर्मा द्वारा 8 दिनों तक भक्तों को कथा का रसपान कराया गया। कथा के अंतिम दिन 4 जनवरी को रावण वध श्रीराम राज्य स्थापना की कथा सुनाई। पूर्णाहुति के पश्चात महाप्रसादी भण्डारा का आयोजन हुआ। कथा में प्रमुख यजमान पं. सत्यनारायण शर्मा, श्यामा शर्मा (महाकाल वाणिज्य), कमल विश्वकर्मा, भगवती विश्वकर्मा रहे। कथा समापन पर महाआरती हुई तथा शोभायात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की। दमदमा में हुई श्री राम कथा में क्षेत्र की मस्जिद कमेटी द्वारा व्यासपीठ का पूजन कर महाराजश्री का स्वागत किया। राजेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि दमदमा में विगत 23 वर्षों से हो रहे धार्मिक अनुष्ठान में गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल देखने को मिलती है। इस वर्ष भी मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा कमेटी की और से महाराज जी का स्वागत किया

लोक साहित्य कार्यशाला का समापन

उज्जैन। सिन्धी लोक साहित्य के विभिन्न आयामों पर मध्यप्रदेश सिन्धी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का बीते रोज समापन हुआ।अकादमी निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने बताया कि कार्यशाला के अंतिम दिवस तीन बिंदुओं पर चर्चा हुई।सन्त शिरोमणि हिरदाराम गौरव सम्मान से सम्मानित भोपाल से पधारे भगवान बाबाणी ने सिन्धी बोली में प्रचलित मुहावरों,कहावतों और पहेलियों की जानकारी देते हुए बताया कि अन्य भाषाओं और बोलियों की तरह सिन्धी में भी इनकी प्रचुरता है और इन पर बहुत शोध कार्य भी हुआ है, वास्तव में मुहावरे और कहावतें किसी भी बोली और भाषा का श्रृंगार ही हैं, हमें सामान्य बोलचाल की भाषा में यथासंभव इनका उपयोग अवश्य करना चाहिए ताकि ये एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित हो सकें।इसके अलावा सिन्धी लोक पर्व परम्परा पर चर्चा का आरम्भ डॉ. कमला गोकलानी ने किया,उन्होंने बताया कि हमारी पर्व परम्परा का आधार वैज्ञानिक है फिर चाहे वो सामाजिक परम्पराएं हों या धार्मिक परम्पराएं।पर्व परम्परा, रीति रिवाज और लोक विश्वासों के पीछे छिपी वैज्ञानिक मान्यताओं और आधार का ज्ञान हम सभी को होना चाहिए क्योंकि ये हमारी लोक संस्कृति का प्रमुख अंग हैं।इसके बाद डॉ. कमला गोकलानी और हर्षा मूलचंदानी ने अन्य संस्कृतियों और सिन्धी संस्कृति के बीच संबंध के बारे में अपने विचार व्यक्त किए, उन्होंने कहा कि यूं तो भारत के विभिन्न समाजों की संस्कृतियों में आपस में संबंध है लेकिन सिन्धी संस्कृति का कच्छ की संस्कृति से घनिष्ठ संबंध परिलक्षित होता है। समापन से पूर्व अंतिम सत्र में प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए सहभागियों ने इन बिंदुओं के आधार पर अपनी प्रस्तुति भी दी।

जागरूकता के लिए ब्रिज पर लगाए पोस्टर

उज्जैन। कलाम सर्वधर्म सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हरिफाटक ब्रिज पर डोर से बचने के लिए पोस्टर लगाए गए।संस्था के सद्दाम हुसैन एवं इरफान उल्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा इस वर्ष 45 पोस्टर लगाए गए जिसमें यह स्लोगन लिखा है। इस मौके पर विशेष रूप से महाकाल थाना प्रभारी गगन बदल ने इस कार्य की सराहना कर संस्था की हौसला अफजाई की। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष समीर खान ने कहा कि जनता को जागरूक करने के लिए यह पोस्टर लगाए गए है जिसे पढ़ कर आवागमन करने वाले व्यक्ति ब्रिज पर अपना वाहन सावधानी के साथ धीमीगती से चलाए जिससे अप्रिय घटना घटित न हो सके। इस मौके पर संस्था के सरफराज हुसैन, समीर उल हक, इरफान खान, खोजेमा भाई चांदावाला, रेहान शफ़क, मुदस्सिर अली, डॉ शकील अंसारी, बंटी शाह, सय्यद नावेद अली, वसीम शेख उपस्थित थे।

गंदे पानी के भयावह हादसे से सबक, उज्जैन में पहले ही खींच दी सुरक्षा रेखा

सतर्कता और सजगता का मॉडल बना उज्जैन निगम, पेयजल सुरक्षा पर पहरा, इंदौर जैसी घटना की कहीं ना हो पुनरावृत्ति

(प्रमोद व्यास)

उज्जैन। महाकाल की नगरी से महज 45 किलोमीटर दूर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई भयावह जल त्रासदी ने पूरे प्रदेश को गहरे सदमे में डाल दिया है। सीवरेज का गंदा पानी पेयजल पाइपलाइन में मिल जाने से जो स्थिति बनी, उसने लापरवाही की भयावह कीमत सामने रख दी। वहीं दूसरी और उज्जैन में निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने दूर दृष्टि और पक्का इरादा रखते हुए जल प्रदाय की व्यवस्था को सुदृढ किया है।

गंदे पानी से इंदौर में हुई उस त्रासदी में अब तक 16 लोगों की असमय मौत हो चुकी है, जबकि 300 से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। दूषित पानी से फैली यह आपदा न केवल मानवीय त्रासदी है, बल्कि शहरी व्यवस्थाओं के लिए एक गंभीर चेतावनी भी बनकर उभरी है।

इस घटना के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने जहां व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, वहीं नगर निकायों को भी पूरी तरह सतर्क और सक्रिय कर दिया गया है। खासतौर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन में प्रशासन ने इस त्रासदी को एक चेतावनी के रूप में लेते हुए पहले से ही सुरक्षा और

सतर्कता की मजबूत दीवार खड़ी कर दी थी। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने समय रहते मोर्चा संभालते हुए यह सुनिश्चित किया कि उज्जैन में इंदौर जैसी कोई भी स्थिति उत्पन्न न हो। इंदौर में 25 दिसंबर को हुई घटना के लगभग दो माह पहले ही उज्जैन नगर निगम के सभी इंजीनियरों, अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से आगाह कर दिया गया था कि सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान किसी भी स्थिति में सीवरेज, गंदगी या दूषित तत्व पेयजल लाइनों के संपर्क में नहीं आने चाहिए। इसी निर्देश के तहत शहर में पेयजल पाइप लाइनों को ऊपर कराया गया, उन्हें सुरक्षित रूप से तारों से बांधकर फिक्स किया गया ताकि किसी भी प्रकार का रिसाव या मिलावट की संभावना पूरी तरह समाप्त की जा सके। इसके साथ ही उज्जैन के लिए एक आधुनिक जल गुणवत्ता परीक्षण किट भी मंगाई गई है, जिससे मौके पर ही नल के पानी की जांच संभव हो सकेगी। इससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सामने आते ही तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। इंदौर की भयावह घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जल सुरक्षा में जरा सी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है। उज्जैन में समय रहते बरती गई सतर्कता, सजगता और दूरदर्शिता आज एक सुरक्षा कवच के रूप में सामने आई है। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह स्वयं भी जलप्रपात व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं नगर निगम द्वारा की गई इस पूर्व तैयारी और गंभीर प्रयासों की सराहना की है, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने कहा कि मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा की नगरी उज्जैन, जहां सिंहस्थ 2028 की भव्य तैयारियां चल रही हैं, वहां प्रशासन की यह सजगता यह संदेश देती है कि शहर न केवल जागरूक है, बल्कि सुरक्षित भी है। उज्जैन में मुख्यमंत्री की दक्षिण विधानसभा के अंतर्गत अलकापुरी समिति द्वारा रविवार को कॉलोनी की ज्वलंत समस्या पानी की पाइपलाइन से आता गंदा एवं जहरीला पानी को लेकर स्थानीय निवासियों एवं पार्षद के साथ मिलकर नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर पवन सिंह तोमर को अवगत कराया। कॉलोनी के बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित रहे।

सभी का कहना था पानी की जो पाइप लाइन डाली है वह करीब 40 साल पुरानी है जो कि सीमेंट की होकर डैमेज हो चुकी है जिसकी वजह से उसमें सीवरेज का पानी मिलता है। उक्त समस्या के बारे में पिछले 3 से 4 वर्षों से बार बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया किंतु आज तक उसका निराकरण नहीं हो पाया। इंदौर के भागीरथपुरा में हुई घटना को देखते हुए कॉलोनी वासी काफी डरे हुए हैं । उपायुक्त योगेंद्र पटेल बताया कि शहर की कई पाइपलाइनें पुरानी हो चुकी हैं, जिन्हें बदलने के लिए नए टेंडर लगाए जा रहे हैं। स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए डेढ़ सौ से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष टीम गठित की गई है। इस टीम में आयुक्त स्वयं, अपर आयुक्त पवन सिंह, उपायुक्त योगेंद्र पटेल, सभी टंकी प्रभारी, इंजीनियर और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की पूरी टीम शामिल है। आयुक्त अभिलाष मिश्रा स्वयं सुबह से जलप्रदाय के दौरान अलग-अलग मोहल्लों में पहुंचकर पानी की गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं।

क्लीनिंग के बाद तारीख डाल रहे-आयुक्त बोले 42 टंकियां है

पिछले 15 दिनों से उज्जैन में पंपिंग स्टेशन से लेकर टंकियों और जलप्रदाय की पूरी प्रणाली तक व्यापक स्वच्छता और निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। टंकियों की नियमित सफाई कराई जा रही है और जहां भी क्लीनिंग की जा रही है, वहां सफाई की तारीख स्पष्ट रूप से अंकित की जा रही है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अगली सफाई समय पर हो और किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न बचे।सीवरेज लाइनों की भी गहन जांच की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। नवभारत से चर्चा में नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि उज्जैन में वर्तमान में जलप्रदाय के लिए 42 टंकियां संचालित हैं और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए नई टंकियों के निर्माण की भी योजना है। गंभीर डेम और अंबोदिया से फिल्टर होकर पानी निर्धारित प्रक्रिया के तहत सीधे टंकियों तक पहुंचता है। उज्जैन में प्रतिदिन लगभग 152 एमएलडी शुद्ध जल का प्रदाय किया जा रहा है। सभी टंकियों को ब्रश से साफ किया जा रहा है, काई और कंजी को पूरी तरह हटाया जा रहा है ताकि जल की शुद्धता बनी रहे।

सीईओ जिपं ने इंदौख का निरीक्षण किया

उज्जैन। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कुमट ने महिदपुर विकासखंड अंतर्गत मध्यप्रदेश प्रदेश जल निगम मर्यादित के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही इंदौख समूह जलप्रदाय योजना के इंटेकवेल, जल शुद्धिकरण संयंत्र एवं ग्राम कानाखेड़ी में समूह जलप्रदाय योजना से प्रदायित जल का निरीक्षण किया गया। कुमट ने जल शोधन संयंत्र में स्थापित जल परीक्षण प्रयोगशाला से प्रदायित जल के संबंध में पृक्कथ विस्तृत निरीक्षण किया। साथ ही ग्राम कानाखेड़ी में वीडब्लयूएससी मेम्बर्स के माध्यम से फिल्ड टेस्ट किट द्वारा ग्राम में ही प्रदायित जल के नमूनों का परीक्षण कराया व प्रदूषित जल से होने वाली बिमारियों से अवगत कराते हुए स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता के बारे में बताया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत कुमट के साथ घनश्याम उपाध्याय, महाप्रबंधक जल निगम एवं जल निगम के अन्य अधिकारी तथा रोहित कौशल सहायक यंत्री जनपद पंचायत महिदपुर एवं सेवाराम अजमेरिया, प्रभारी खण्ड पंचायत अधिकारी, कमल पाटीदार अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा एवं बीएमओ महिदपुर डॉ. शोभना भाबर उपस्थित थे।

सिद्ध आश्रम में ठहरे ग्वालियर के युवकों पर हमला

उज्जैन। ग्वालियर से धार्मिक यात्रा पर आए दो युवकों पर रविवार सुबह आश्रम में हमला हो गया। दोनों युवक घायल हुए हैं। हमला करने वालों से रात में विवाद हुआ था। हमलावर लाठियां लेकर पहुंचे थे। उन्होंने आश्रम का दरवाजा भी तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि ग्वालियर के मुरार का रहने वाला देव पिता लक्ष्मीनारायण गुर्जर 23 वर्ष अपने दोस्त कल्पित ठाकुर के साथ उज्जैन आया हुआ था। रामघाट स्थित सिद्ध आश्रम में उसकी बुआ भी रहती है। जहां दोनों युवक ठहरे हुए थे। शनिवार को उन्होंने देव दर्शन किए। रात में दोनों सिद्ध आश्रम में थे, उसी दौरान दो तीन युवक बाइक से आश्रम में आए। देव गुर्जर ने उन्हें गाड़ी आश्रम में लाने से मना किया। इस बात पर कहासुनी हो गई। रात में आश्रम में रहने वाले लोगों ने मामले को शांत करा दिया। इस बीच रविवार सुबह 7.30 बजे उक्त युवक तीन से चार की संख्या में लाठियां लेकर दोबारा आश्रम पहुंच गए। उन्होंने आश्रम के कमरा नंबर 2 में सो रहे देव और उसके दोस्त कल्पित ठाकुर पर हमला कर दिया। यही नहीं हमलावरों ने आश्रम में तोड़फोड़ कर कमरे का गेट भी तोड़ा और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। हमले में देव और कल्पित घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में महाकाल थाना पुलिस ने जांच शुरू की है। आश्रम में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गए हैं जिसके आधार पर हमलावरों की पहचान की जा रही है।

टोल कर्मचारियों की गुंडागर्दी, बस में सवार यात्रियों पीटा

उज्जैन। उज्जैन-झालावाड़ रोड पर पिपलई टोल नाके पर टोलकर्मियों ने शनिवार रात को जमकर गुंडागर्दी की। कर्मचारियों ने एक बस में घुसकर यात्रियों को जमकर पीट दिया। इस दौरान महिलाएं चीखती रही। मारपीट का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ है। पुलिस ने टोल कर्मचारियों पर केस दर्ज कर दो को गिरफ्तार किया है।अन्य की तलाश की जा रही है। घटि्टया टीआई करण खोवाल ने बताया कि शनिवार रात को मालवा बस उज्जैन से आगर की ओर जा रही थी। उज्जैन-झालावाड़ मार्ग पर ग्राम पिपलई में बने टोल पर कुछ कर्मचारी एक लेन में आग जलाकर ताप रहे थे। बस उस लेन में चली गई थी। रास्ता साफ करने की बात को लेकर बस में सवार कुछ यात्रियों से कर्मचारियों की बहस हो गई थी। जिसके बाद टोल कर्मचारी आशु, रवि व अन्य लाठी लेकर बस में घुस गए, कर्मचारियों ने यात्रियों को साथ जमकर मारपीट कर दी। जिससे यात्री काफी डर गए। बस में बैठी महिलाएं इस दौरान यात्रियों को बचाने के लिए चीखने लगी। जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जमकर बहुप्रसारित हुआ है। एसपी प्रदीप शर्मा के निर्देश पर पुलिस एक्शन में आई और टीआई खोवाल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए टोल कर्मचारियों पर केस दर्ज किया है। टोल कर्मचारी आशु व रवि को गिरफ्तार कर लिया है। मारपीट करने वाले अन्य कर्मचारियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं टोल संचालक से भी कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन व अन्य जानकारियां मांगी जा रही है। कर्मचारियों के खिलाफ पूर्व में केस दर्ज होंगे तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों को समिति बनाते हुए उद्यानों को गोद लेना होगा

उज्जैन। रविवार को वार्ड क्रमांक 47 स्थित परवाना नगर उद्यान का निरीक्षण महापौर मुकेश टटवाल द्वारा क्षेत्र के रहवासियों के साथ किया गया। इस दौरान महापौर द्वारा नागरिकों से चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में स्थित उद्यानों का संधारण एवं रखरखाव करना है तो क्षेत्र के नागरिकों को आगे आते हुए समिति बनाकर उद्यानों को गोद लेना होगा। जिससे उद्यानों का संधारण समिति द्वारा किया जाए नगर निगम द्वारा जो भी आवश्यक कार्य होंगे जिसमें साफ सफाई, संधारण कार्य, रखरखाव आदि समुचित व्यवस्थाएं करते हुए दिया जाएगा। उसके बाद समिति को उद्यान का रखरखाव करना होगा। निरीक्षण के दौरान महापौर द्वारा उद्यान विभाग के प्रभारी मनोज राजवानी को दूरभाष पर फोन लगाते हुए निर्देशित किया गया कि उद्यान में साफ सफाई, संधारण कार्य, जिम उपकरण, झूलों का रखरखाव करवाया जाए उसके बाद क्षेत्र के नागरिकों द्वारा ही रख रखाव का कार्य किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र के नागरिक जय किशन कृपलानी, राजेंद्र चौरसिया, प्रणेश शर्मा, संदीप जोशी उपस्थित रहे।

चौड़ीकरण कार्य में पहले पाइपलाइन डालने का कार्य पूर्ण रूप से रहा सफल

उज्जैन। महापौर मुकेश टटवाल की पहल पर केडी गेट से इमली तिराहा गौतम मार्ग तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य में पहले पाइपलाइन डालने का कार्य उसके पश्चात नाली निर्माण का कार्य किया गया। जिससे कि पाइपलाइन नाली को क्रास ना करें एवं पाइपलाइन के पहले होने से शुद्ध जल जनता तक पहुंचे इसलिए रविवार को महापौर क्षेत्र की जनता से मिलने पहुंचे और जनता से पूछा कि इस प्रयोग से खुश है कि नहीं पहले पाइप लाइन डालने से नाली का पानी भी पेयजल लाइन में नहीं मिल रहा है। जिससे आप सभी को साफ एवं स्वच्छ जल उपलब्ध हो रहा है। महापौर ने बताया कि केडी गेट से इमली तिराहा गौतम मार्ग तक जब चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ हुआ तब अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया था कि पहले पाइप लाइन डाली जाए। उसके बाद नाली निर्माण का कार्य हो तब यह बात क्षेत्र के नागरिकों को समझ नहीं आ रही थी। परंतु आज जब क्षेत्र की जनता को साफ एवं स्वच्छ जल उपलब्ध हो रहा है तो जनता भी खुश है। यह प्रयोग पहली बार चौड़ीकरण कार्य में किया गया जो की पूर्ण रूप से सफल रहा इस प्रकार के प्रयोग से पेयजल का कनेक्शन लेने हेतु नाली को क्रॉस भी नहीं करना पड़ता है। जिसके कारण किसी भी प्रकार का गंदा एवं दूषित पानी मिलने की समस्या नहीं रहती है क्षेत्र की जनता से चर्चा करने पर सभी द्वारा इस प्रकार के प्रयोग से संतुष्ट नजर आए। निरीक्षण के दौरान जल कार्य समिति के प्रभारी प्रकाश शर्मा, एमआईसी सदस्य सत्यनारायण चौहान, पार्षद हेमंत गहलोत, सपना सांखला उपस्थित रहे।

महिलाओं के सामने नग्न होने पर दो पक्षों में मारपीट

उज्जैन। नगर निगम के पीछे शराब के नशे में धुत्त युवक महिलाओं के सामने नग्न हो गया। कुछ युवकों ने उसे समझाने का प्रयास किया तो विवाद की स्थिति बन गई। दोनों ओर से मारपीट हुई। पुलिस ने नग्न होने वाले युवक को पकड़ा है। वहीं मामले में क्रॉस प्रकरण दर्ज किया गया है।

बताया जा रहा है कि नगर निगम मुख्यालय के पीछे कल दोपहर कुछ महिलाएं बैठी हुई थी। उसी दौरान एक युवक शराब के नशे में पहुंचा। उसने महिलाओं के सामने अपने कपड़े उतार दिए और नग्न हो गया। युवक को महिलाओं के सामने अश्लीलता करता देख फाजलपुरा के रहने वाले अब्दुल, मन्नान और उसके साथी आशीष आसिफ, जीतू ठाकुर ने देखा और युवक को समझाने का प्रयास किया तो शराबी युवक उग्र हो गया। उसने पत्थरों से समझाने आए युवकों पर हमला कर दिया। युवकों ने भी उसकी घेराबंदी की और जमकर पीट दिया। मामले की जानकारी लगते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले आई। मारपीट में वह घायल हुआ था। वहीं उसने भी तीन युवकों पर पत्थरों से हमला किया था। पुलिस ने मामले में नग्न होने वाले युवक के खिलाफ अब्दुल, मन्नान निवासी फाजलपुरा की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। वहीं नग्न होने वाला उक्त युवक भरत उर्फ बंटी पिता कैलाशचंद्र खरे निवासी पटेल नगर की शिकायत पर अब्दुल, मन्नान और उसके साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि नग्न होने वाला युवक भरत शराब पीने का आदी है और पूर्व में भीम आर्मी पार्टी से भी जुड़ा हुआ था। लेकिन उसकी हरकतों की वजह से पार्टी ने उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

यातायात पुलिस ने साल भर में वसूला 1.11 करोड़ का समन शुल्क

उज्जैन। नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास में लगी यातायात पुलिस ने वर्ष 2025 में 29 हजार 688 चालकों को नियमों का उल्लंघन करते पकड़ा और 1 करोड़ 11 लाख 400 रुपये का समन शुल्क वसूला। यातायात पुलिस की चालानी कार्रवाई से सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रयण के लिये यातायात पुलिस की हमेशा चौराहों से लेकर हाइवे मार्गों पर नियमों का उल्लंघन कराने वालों वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के लिये तैनात रहती है। यातायात पुलिस की ओर से सामने आई जानकारी अनुसार 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2015 तक बिना हेलमेट वाहन चालने वाले 13 हजार 635, सीट बेल्ट न लगाने वाले 418, ओवर स्पीड वाहन चलाने वाले 930, नशे में ड्रायविंग करने वाले 116 और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने वाले 14 हजार 529 चालकों को पकड़ा गया है। जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में कार्रवाई की गई। सालभर में कुल 29 हजार 688 चालकों पर कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 11 लाख 400 रुपयों का समन शुल्क चालान के रूप में वसूला गया है।

वीआईपी मंदिर में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी क्रांति गौड़ रविवार को उज्जैन आई

अभिनेत्री करिश्मा, महिला क्रिकेट टीम खिलाड़ी गौड़ ने किए महाकाल दर्शन

नवभारत न्यूज

उज्जैन। फिल्म अभिनेत्री करिश्मा शर्मा और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी क्रांति गौड़ रविवार को उज्जैन आई। इस दौरान उन्होंने महाकाल के दर्शन किए। अभिनेत्री शर्मा ने मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजन कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। वहीं,

क्रिकेट टीम की खिलाड़ी क्रांति अल सुबह की भस्मारती में शामिल हुईं व वर्ल्ड कप से पहले टीम की जीत के लिए भगवान से प्रार्थना की। दर्शन पश्चात मंदिर समिति ने उनका सम्मान किया।

पुजारी रमन त्रिवेदी को ग्लोबल स्पिरिचुअल लीडरशिप अवार्ड

धार्मिक, सामाजिक कार्यों में हमेशा अग्रणी रहने वाले महाकाल मंदिर के पुजारी महर्षि पंडित रमन त्रिवेदी को हाल ही में ग्लोबल स्पिरिचुअल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान आपको विनर्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से प्रदान किया गया है। पुजारी पंडित गोपाल त्रिवेदी ने बताया कि संस्था ने यह अवार्ड संपूर्ण भारत वर्ष में इस साल केवल तीन ही हस्तियों को प्रदान किया। पहला आध्यात्मिक एवं मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी जी, दूसरा श्री बागेश्वर धाम बालाजी के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी एवं तीसरा उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित रमन त्रिवेदी जी को प्रदान किया है। यह अवार्ड संस्था की ओर से डॉ. दीपक हरके लंदन ने उज्जैन आकर भगवान महाकाल के दरबार में पहुंचकर पंडित त्रिवेदी को प्रदान किया।

ज्ञान दास जी महाराज करेंगे शिप्रा पूजन

मोक्ष दायिनी मां शिप्रा के शुद्धिकरण को लेकर आंदोलन करने वाले संत दादूराम आश्रम के पीठाधीश्वर एवं निर्मोही अखाड़े के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 ज्ञान दास जी महाराज आज सोमवार को 26 वें दीक्षा दिवस एवं शिप्रा शुद्धिकरण आंदोलन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर सुबह 10 बजे रामघाट पर मां शिप्रा का पूजन करेंगे। इसके पश्चात सुबह 11 बजे से सदावल रोड स्थित आश्रम पर महाराज श्री का भक्तों द्वारा स्वागत सम्मान किया जाएगा।महाराजश्री ने राजस्थान में अपने गुरु से दीक्षा ग्रहण की थी। इसके बाद से ही वे समाज में धर्म का अलख जगाने के उद्देश्य से महाकाल की नगरी उज्जैन में आ गए और शिप्रा के शुद्धिकरण के लिए उन्होंने आंदोलन की शुरुआत की। पूर्व में आपने ने अन्न तक त्याग दिया था।

पेयजल स्रोतों से पानी की सैंपलिंग की गई

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किसी भी प्रकार के जल जनित रोगों से बचाव और सावधानी के लिए विभिन्न ग्रामों में एफ टी के कीट के माध्यम से पेयजल स्रोतों का पेयजल परीक्षण किया गया एवं साथ ही विभिन्न पेयजल स्रोतों का वॉटर सैंपल जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु लिया गया।

आज नर्सरी से पांचवी कक्षा तक अवकाश रहेगा

उज्जैन। वर्तमान में अधिक ठंड और शीत लहर के कारण सोमवार 5 जनवरी को जिले के समस्त शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से पांचवी कक्षा तक अवकाश रहेगा। यह जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दी गई।